ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

हरिहर काका

कक्षा - दसवीं

विषय – हिंदी
पाठ : ५
पाठ का नाम : हरिहर काका
PPT-1

Website: www.odmegroup.org
Email: info@odmps.org
Toll Free: 1800 120 2316
Sishu Vihar, Infocity Road, Patia, Bhubaneswar- 751024

लेखक परिचय

लेखक - मिथिलेश्वर
जन्म - : 31 दिसंबर 1950

मिथिलेश्वर (जन्म : 31 दिसंबर 1950) हिंदी साहित्य में मुख्यतः प्रमुख कथाकार हैं। मुख्यतः ग्रामीण जीवन से संबंध कथानकों के प्रति समर्पित कथाकार मिथिलेश्वर सीधी-सादी शैली में विशिष्ट रचनात्मक प्रभाव उत्पन्न करने में सिद्धहस्त माने जाते हैं।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

पाठ प्रवेश

समाज में सुखी जीवन जीने के लिए रिश्तों-नातों का बहुत अधिक महत्व है। परन्तु आज के समाज में सभी मानवीय और पारिवारिक मूल्यों और कर्तव्यों को पीछे छोड़ते जा रहे हैं। ज्यादातर लोग केवल स्वार्थ के लिए ही रिश्ते निभाते हैं। जहाँ लोगों को लगता है कि उनका फ़ायदा नहीं हो रहा है वहाँ लोग जाना ही बंद कर देते हैं। आज का व्यक्ति स्वार्थी मनोवृत्ति का हो गया है। वह केवल अपने मतलब के लिए ही लोगों से मिलता है। वह अपने अमीर रिश्तेदारों से रोज मिलना चाहता है परन्तु अपने गरीब रिश्तेदारों से कोसों दूर भागता है।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

हमारे समाज में हमें देखने को मिलता है कि कुछ बुजुर्ग भरोसा करके अपनी जिंदगी में ही अपनी जायदाद को अपने रिश्तेदारों या किसी और के नाम लिखवा देते हैं, वे सोचते हैं कि ऐसा करने से उनका बुढ़ापा आसानी से कट जाएगा। पहले-पहले तो रिश्तेदार भी उनका बहुत आदर-सम्मान करते हैं, परन्तु बुढ़ापे में परिवार वाले को दो वक्त का खाना देना भी बुरा लगने लगता है। बाद में उनका जीवन किसी कुत्ते की तरह हो जाता है, उन्हें कोई पूछने वाला भी नहीं होता।

प्रस्तुत पाठ में भी हरिहर काका नाम के एक व्यक्ति है, जिसकी अपनी देह से कोई संतान नहीं है परन्तु उसके पास पंद्रह बीघे जमीन है और वही जमीन उसकी जान की आफत बन जाती है अंत में उसी जमीन के कारण उसे सुरक्षा भी मिलती है। लेखक इस पाठ के जरिए समाज में हो रहे नकारात्मक बदलाव से हमें अवगत करवाना चाहता है कि आज का मनुष्य कितना स्वार्थी मनोवृत्ति का हो गया है

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

संबंधित प्रश्न

१. समाज में रिश्तों - नातों का बहुत अधिक महत्व क्यों हैं?
२. आज का मनुष्य स्वार्थी मनोवृति का क्यों हो गया है?
३. प्रस्तुत पाठ में किसके बारे में कहा गया है?
४. उनके पास कितनी ज़मीन है?
५. लेखक समाज में हो रहे किस बदलाव की बात कर रहा है?

ODM
EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

१ सामान्य उद्देश्य :

इस कहानी के माध्यम से आज के ग्रामीण और शहरी जीवन में समा रही स्वार्थ - लोलुपता को दर्शाया गया है।

२ विशिष्ट उद्देश्य :

लेखक समाज में हो रहे नकारात्मक बदलाव से हमें अवगत कराना चाहते हैं कि आज का मनुष्य कितना स्वार्थी मनोवृत्ति का हो गया है।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

पाठ का सार

कथा वाचक और हरिहर काका की उम्र में काफी अंतर होने के बावजूद वह उनका पहला मित्र था। महंत और हरिहर काका के भाई ने अपना लक्ष्य साधने के लिए हरिहर काका के साथ बुरा व्यवहार करा। हरिहर काका अनपढ़ थे पर उनको दुनिया की बेहतर समझ थी। उन्होंने अपने अनुभव से सीखा था कि संपत्ति छिन जाने के बाद व्यक्ति की बड़ी दुर्दशा होती है। वे अनेक लोगों के बारे में जानते थे जिनकी संपत्ति अपने नाम लिखवाने के बाद उनके घरवालों ने उनकी हालत कुत्ते से भी बदतर कर दी थी। इसलिए उन्होंने तय कर लिया था कि जीते जी वे अपनी जायदाद किसी के नाम नहीं लिखेंगे।

ठाकुरबारी की घटना के बाद उन्हें पता चल गया कि कोई उन्हें मार नहीं सकता था, सिर्फ धमका सकता था। इसलिए उन्हें मृत्यु का भय नहीं था और उन्होंने अपने भाइयों को इस बात के बारे में चुनौती भी दी थी।

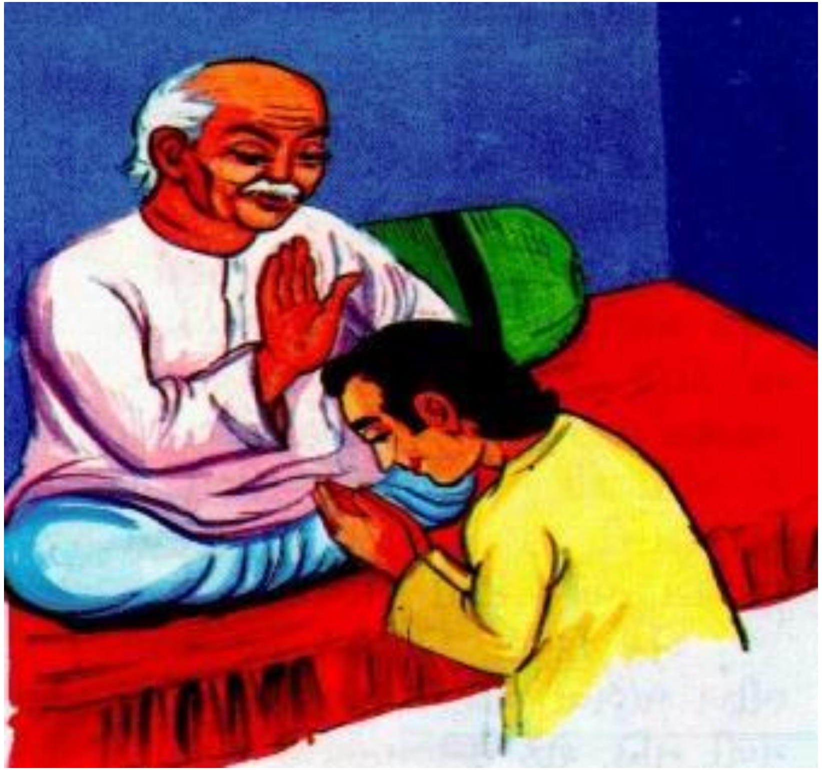

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

हरिहर काका को जब यह असलियत पता चली कि सब लोग उनकी जायदाद के पीछे पड़े हैं तो उन्हें उन सब लोगों की याद आई जिन्होंने अपने परिवार के मोह में आकर अपनी जमीन उनके नाम कर दी थी और अपने अंतिम दिन तक कष्ट भोगते रहे। वे लोग भोजन तक के लिए तरसते रहे। इसलिए उन्होंने सोचा कि ऐसा जीवन व्यतीत करने से तो एक बार मरना अच्छा है। उन्होंने तय किया कि जीते जी किसी को जमीन नहीं देंगे। वे मरने को तैयार थे। इसीलिए लेखक कहते हैं कि अज्ञान की स्थिति में मनुष्य मृत्यु से डरता है परन्तु ज्ञान होने पर मृत्यु वरण को तैयार रहता है।

गृहकार्य - संपूर्ण पाठ को पढ़ना ।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

THANKING YOU

ODM EDUCATIONAL GROUP